जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्यवक कार्यालय
प्रेस विज्ञप्ति 09 सितम्बर, 2020

जामिया में बेसिक साइंसेज पर 8 वां दो-सप्ताह का ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स शुरू

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के यूजीसी-ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर (एचआरडीसी), और सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च इन बेसिक साइंसेज, ने संयुक्त रूप से बेसिक साइंसेज (इन्टर्डिसप्लनेरी) में दो-सप्ताह का, 8 वां ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स आज शुरू किया। यह 23 सितंबर, 2020 तक जारी रहेगा।

गूगल मीट पर आयोजित किए गए इस पाठ्यक्रम में विभिन्न कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के लगभग 100 फैकल्टी मेम्बर हिस्सा ले रहे हैं।

जामिया की कुलपति प्रो नजमा अख्तर उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि थीं और प्रसिद्ध वैज्ञानिक प्रो एनआर जगन्नाथन इसके मुख्य वक्ता थे। वह एम्स में एनएमआर और एमआरआई सुविधा विभाग के पूर्व प्रमुख और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए) के पूर्व उपाध्यक्ष हैं।

उद्घाटन सत्र की शुरुआत, जामिया के यूजीसी-एचआरडीसी के निदेशक प्रो अनीसुर रहमान के स्वागत भाषण से हुई। मुख्य अतिथि, अन्य गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का स्वागत करने के बाद उन्होंने रिफ्रेशर कोर्स के बारे में विस्तार से बताया।

सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च इन बेसिक साइंसेज, जेएमआई की निदेशक, प्रो जुबैदा अंसारी ने उन विषयों और मुद्दों के बारे में जानकारी दी जो इस कोर्स के तहत आते हैं।

अपने उद्घाटन भाषण में प्रो अख्तर ने जामिया के यूजीसी-एचआरडीसी की कोशिशों की तारीफ की, जो विभिन्न विषयों और फैकल्टी के लिए सामान्य पाठ्यक्रमों के अलावा, अलग विषयों पर

भी कई तरह के के ट्रेनिंग कार्यक्रमों का संचालन करते हैं और जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के लोग भी हिस्सा लेते हैं।

उन्होंने कहा कि इस पाठ्यक्रम की प्रकृति मल्टीडिसपल्नेरी है और समाज के सामने आने वाली समकालीन चुनौतियों का समाधान करने के लिए इसका इन्टर्डिसप्लनेरी नज़रिया बहुत कारगर है।

कुलपति ने कहा कि जामिया उन कुछ विश्वविद्यालयों में से है जिनका दृष्टिकोण इन्टर्डिसप्लनेरी है। इसके कई केंद्र हैं जिनका नज़रिया पूरी तरह से इन्टर्डिसप्लनेरी है और इनमें कई अनुसंधान केंद्र भी शामिल हैं।

एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी और एमआरआई इमेजिंग में 30 से अधिक वर्षों का अनुभव रखने वाले मुख्य वक्ता, प्रो एन.आर जगनाथन ने कैंसर में एमआर इमेजिंग और एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी पर बहुत ही गहराई से बताया। उन्होंने रोग जीव विज्ञान, शरीर विज्ञान और मेटाबालिज़्म को समझने के लिए एमआरआई और इन-विवो एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी के इस्तेमाल के बारे में विस्तार से बताया।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक